

(शशी) रोहिणी यदि युनक्ति in Conjunction treten mit VARĀH. BRH. S. 24, 28, 47, 18. माधुप्रोक्ताङ्गिको युञ्क्ते अविष्टायो च वार्षिकीम् (?) WEBER, GJOT. 113. so v. a. theilhaftig werden: न नु तमो न गुणोश्च युञ्क्ते BHĀG. P. 7, 9, 32. — 7) Jmd (loc. gen.) Etwas (acc.) zu Theil werden lassen, zukommen lassen, verleihen: अनागस्यधं युञ्क्ते BHĀG. P. 1, 17, 14. येषु — शिनादाएउं न युञ्क्ते 4, 26, 21. प्रभाशुभे नृणां युञ्क्ते MĀRK. P. 81, 11. यद्युज्यते देहात्मज्ञादिषु नृभिः BHĀG. P. 8, 9, 29. शेषमात्मनि युञ्जित sich zu Theil werden lassen, selbst geniessen M. 6, 12. — 8) sich vergewärtigen, — in's Gedächtniss zurückrufen: तं मुहूर्त्तं नृणां वेलां दिवसं युजोञ् (= अनुचितितवती NILAK.) MBH. 3, 16753. — 9) auftragen, befehlen, injungere: आस्याय तत्तद्यद्युञ्क्ते नाथः BHĀG. P. 5, 1, 15. — 10) pass. passen, sich schicken, gemäss sein, sich ziemen, zukommen, recht sein: युज्यते so ist es recht ÇĀK. 88, 10. KATHĀS. 11, 29. युज्यति HARIV. 7064. न शापस्तत्र युज्यते R. 1, 21, 7. Spr. 3307. KATHĀS. 24, 203. RĀĒA-TAR. 4, 101. HIT. 83, 19. BHĀG. P. 4, 19, 27. SARVADARÇANAS. 81, 20, 115, 1, 121, 2, 161, 6 (so v. a. logisch richtig sein in SARVADARÇANAS.). स स्वामी युज्यते भुवि der eignet sich zum Herrn der Erde Spr. 2264. कृताशनप्रतिनिधिर्देहात्मा ननु युज्यते ist es nicht ganz in der Ordnung, dass das, was das Feuer vertritt, brennt? 3579. यद्येन युज्यते लोके was zu einander passt 2392. नक्षस्मिन्युज्यते कर्म किंचिद् मौञ्जिबन्धनात् schickt sich für ihn, kommt ihm zu M. 2, 171. MBH. 3, 16700 (युज्यति). शब्दे महाराज इति — तस्मिन्युज्यते ऽर्भके ऽपि RAGH. 18, 41. HIT. 16, 12. महत्तामास्पदे नीचः कदापि न हि युज्यते Spr. 2136. तदेतन्मे न युज्यते KATHĀS. 30, 9. LA. (III) 37, 8. कथं भगवतः — युज्येर्निर्गुणास्य गुणाः क्रियाः BHĀG. P. 3, 7, 2. स्तुषा मे युज्यते कथम् wie käme mir zu? so v. a. ich kann nicht haben 9, 23, 36. PAÑĀT. 40, 24. एवं नीचज्ञेन ऽपि युज्यति गृहं प्राप्ते सतां सर्वदा Spr. 580. अथ वा युज्यते द्वाभ्यामप्येतत् PAÑĀT. 113, 10. तत्रात्र युज्यते स्यात्तुम् MĀRK. P. 35, 21. PAÑĀT. 87, 3. व्यसने महति प्राप्ते स्थिरैः स्यात्तुं न युज्यते MAHĀN. 255. प्रतिकर्तुं प्रकृष्टस्य नावकृष्टेन युज्यते R. 4, 17, 47. तं च दातुं न युज्यते KATHĀS. 37, 457. तथापि युज्यते नैव दातुम् er kann nicht gegeben werden 159. 12, 166. 43, 196. नैतद्युज्यते सहसैव पितृपर्यायागतं वनं त्यक्तुम् PAÑĀT. 21, 4, 61, 4, 96, 4. नैतद्युज्यते ते कर्तुम् 214, 5. तत्र त्वैकाकिन्यास्य भूयते रक्तभोजनं कर्तुं युज्यते 61, 22. युक्तं passend, angemessen, sich schickend, sich ziemend, recht, richtig AK. 2, 8, 2, 24, 3, 4, 14, 80, 83. 23, 144. TRIK. 3, 1, 7 (= परिमित). H. 743. HALĀS. 4, 61, 5, 94. M. 8, 34. युक्ताकारविकारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु । युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखका ॥ BHĀG. 6, 17. MBH. 1, 5943. 6153. 3, 16720. 5, 1295. HARIV. 4011. R. 2, 80, 15. 3, 24, 1. 67, 24. SUÇR. 1, 124, 1. MĀLAV. 40, 34, 3. VIKR. 12, 6. 87, 6. Spr. 976. 1643, v. l. 1964. 3346. KATHĀS. 23, 164. 51, 207. RĀĒA-TAR. 4, 412. 6, 208. BHĀG. P. 3, 5, 2, 24, 23, 33, 24, 4, 27, 12. MĀRK. P. 83, 76. PAÑĀT. 69, 10. HIT. 18, 3. LA. (III) 34, 3. 36, 11. इति पञ्चविधा भाषा युक्ता न पुनरुष्टया Verz. d. Oxf. H. 181, a, 24. 30. अ० Spr. 3346. ÇĀṆK. zu BRH. ĀR. UP. S. 232. SARVADARÇANAS. 20, 2. 34, 22. 79, 16. सु० R. 2, 60, 23. 82, 28. 5, 29, 4. युक्तम् adv. auf passende Weise Spr. 3915. द्विकुलनिलयं नाथ युक्तं त्यजामि so v. a. es ist angemessen, dass ich verlasse 4340. न युक्तं वसत es ist nicht angemessen, dass ihr wohnt HARIV. 6017. युक्तमंसल gehörig fleischig VARĀH. BRH. S. 70, 9. युक्तशीताह्न nicht zu kalt und nicht zu heiss R. 2, 44, 9. युक्ते च दैवे युध्यते günstig

VI. Theil.

M. 7, 197. युक्ते मुहूर्त्ते R. 1, 73, 8 (73, 9 GORR.). 5, 73, 14. मुहूर्त्तेन सुयुक्तेन 72, 20. passend u. s. w. für; mit gen.: अनुत्रयो हि युक्तश्च त्वं ममाहं तवापि च MBH. 3, 16702. 14, 2308. R. 3, 52, 40. 5, 24, 6. MĀLAV. 69, 1. VĀDDHA-KĀN. 13, 7. RĀĒA-TAR. 4, 62. PRAB. 21, 14. ममात्रावस्थानमयुक्तम् HIT. 30, 17. mit loc.: युक्तमेतन्नपि MBH. 2, 4, 3, 6089. R. 2, 90, 20 (99, 33 GORR.). 101, 11. युष्माभिर्दर्शने युक्तम् so v. a. für euch sehenswerth HARIV. 6009. महं राजा मलयामास यथा युक्तं रत्नयो वै प्रजानाम् MBH. 3, 7461. युक्तं (अयुक्तं) यत् es ist passend (unpassend) dass R. 4, 16, 49. 6, 103, 11. KATHĀS. 14, 3. 32, 72. PAÑĀT. 170, 8. युक्तं und अयुक्तं mit einem infin.: युक्तमितो ऽन्यतः प्रयातुम् Spr. 2369. MUDRĀR. 103, 5. KATHĀS. 32, 48. HIT. 41, 1. PRAB. 33, 12. पिशुनवचनैर्दुःखं नेतुं न युक्तमिमं जन्म Spr. 383. MUDRĀR. 14, 4. RATNĀY. 46, 8. KATHĀS. 28, 104. न युक्तमनयोस्तत्र गन्तुम् ÇĀK. 56, 9. PRAB. 13, 14. वराहमिहिरस्य न युक्तमेतत्कर्तुम् VARĀH. BRH. S. 47, 2. BHATT. 3, 86. अयुक्तं निधने कामं पुत्रस्य यतितुं मया R. 6, 69, 17. न युक्तं भवताममप्रुचि द्वा प्रतिशापं दातुम् MBH. 1, 781. युक्तं तस्याप्रमेयस्य वीर्यमह्वतो मया । समाद्यासयितुं भार्याम् 3, 2678. 14, 838. 1610. युक्तं हि यशसा नत्रं स्वर्गं प्राप्तुमसंशयम् 26. तस्मात्प्रतिक्रिया युक्ता भीष्मे कारयितुं तव 3, 6094. तस्मात्प्रतिक्रिया कर्तुं युक्ता तस्मै त्वयानघ 7022. 7057. दैवो-य्यानि — युक्तान्यासेवितुं त्वया R. 3, 52, 39. KATHĀS. 22, 169. न युक्तं भवताहमन्तेनापचरितुम् MBH. 1, 769; vgl. HOFFER, Vom Infinitiv S. 87. 121 und Zeitschr. f. d. W. d. Spr. 2, 182. fgg. — 11) युञ्जान (Spr. 4330) und युक्त (R. 6, 109, 3) dem es wohlgeht, sich in guten Verhältnissen befindend. — 12) युक्त in der Gramm. primitiv (Gegens. abgeleitet) P. 4, 2, 51. — युञ्जान s. auch bes. Vgl. देवयुक्त, प्रातयुक्त.

— caus. योजयति, ०ते (aus metrischen Rücksichten), अयु योजत् 1) schirren, anspannen KAUC. 14. 13. योजयधं रथान् MBH. 1, 7947. रथान्योजयत 7948. 4, 1025. R. 1, 69, 5. 2, 39, 10. 12. 70, 29. स्पन्दनं तैर्हयो-त्तमैः । योजयित्वा 46, 26. श्यामतुरंगयोजितं रथम् BHĀG. P. 4, 16, 12. अथान्योजयित्वा MBH. 3, 2290. 2788. fg. रथे 2790. 13036. 4, 1017. R. 2, 57, 3 (2 GORR.). 7, 46, 2. VARĀH. BRH. S. 61, 9. BHĀG. P. 5, 21, 15. अयु योजन्नुष्ट-खरावद्योश्च नागान्क्यांश्च R. 2, 82, 31 (89, 13 GORR.). — 2) ein Heer rüsten: वज्रयिनीम् MBH. 4, 985. R. 1, 51, 21. षडङ्गिनीम् R. GORR. 1, 52, 21. सैन्यम् 78, 5. Netze, Schlingen stellen, auswerfen: जालं ते योजयामासुः MBH. 13, 2654. पाशो योजितः HIT. 21, 10, v. l. — 3) gebrauchen, anwenden, verrichten: बहुधा ह्याशिषस्तस्य योजिताः so v. a. dargebracht, gesprochen MBH. 7, 718. किमाश्रयो मे स्तव एष योजयताम् BHĀG. P. 4, 13, 22. ब्रह्मदाउमयु योजन् । राशि 13, 22. हृद्दास्यपातयामानि योजितानि धृतत्रतैः angewandt 27. सह गोपीभिर्योजयन्मधुराः कथाः Worte wechselnd, sich unterhaltend HARIV. 5743. परस्य पत्न्या पुरुषः संभाषो योजयन्नरुः M. 8, 354. गुणवद्भिः सदा नरैः । स कथां योजयामास मैत्रीं संगतमेव च pflegte R. GORR. 2, 1, 6. unternehmen, beginnen: मतोन्मत्तयोजितो व्यवहारः JĀĒN. 2, 32. zu Ende bringen: अर्थनिष्पन्नं तद्वर्धयदयोजयत् RĀĒA-TAR. 3, 403. — 4) Jmd (acc.) zu Etwas (dat.) antreiben: प्रबोधित्यपत्ये शमदमा-दीन्योजयामः PRAB. 18, 10. पापान्निवारयते योजयते ह्स्ताय Spr. 1771. Jmd verhelfen zu (loc.): परे तत्रै SARVADARÇANAS. 88, 10. Jmd einsetzen, anstellen bei, beauftragen mit (loc.): अहं दपउधरो राजा प्रजानामिह योजितः BHĀG. P. 4, 21, 21. भद्र्यभोड्याधिकारिषु दुःशासनमयोजयत् MBH. 2, 1290. अत्र कर्मणि 5, 7016. KĀM. NITIS. 19, 8. BHĀG. P. 5, 5, 15. MĀRK. P.

10\*